हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 जुलाई 2024

11 टिकट के चाहवान प्रहलाद सिंह ने खोला चुनावी कार्यालय

12 मानसून की चौथी बरसात, 58 एमएम बरसा पानी

खबर संक्षेप

युवक से पिस्तौल व कारतूस बरामद

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद पुलिस की टीम ने गश्त के दौरान गांव किरढ़ान से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से खिलौनेनुमा पिस्तौल व जिंदा कारतूस बरामद किए है। मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एएसआई रामअवतार के नेतृत्व में गश्त के दौरान गांव किरढ़ान में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुलदीप सिंह निवासी किरढ़ान अपने पास नाजायज असला रखता है और थोड़ी देर बाद अपनी ढाणी से भट्टू जाने की तैयारी में है। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने युवक को काबू कर उससे पूछताछ की ।

गोशाला में काम करने वाले युवक का मोबाइल चोरी

फतेहाबाद। गोरखपुर गऊशाला में काम करने वाले बिहारी युवक का कमरे से मोबाइल चोरी हो गया। चोरी का आरोप गांव के ही दो युवकों पर लगा है। इस बारे पीड़ित ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में बिहार के रहने वाले सिकंदर कुमार ने कहा है कि वह अब गांव गोरखपुर की गऊशाला में काम करता है। पिछले 6 माह से वह यही काम कर रहा है। उसने कहा कि गत दिवस सुबह करीब 6 बजे उसके कमरे से उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया है।

सनियाना में मकान के ताले टूटे, नकदी चोरी

फतेहाबाद। चोरों ने गांव सनियाना में एक मकान के ताले तोड़कर वहां से लाखों के गहने व नकदी चोरी कर ली। इस बारे सूचना मिलते ही भूना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव सनियाना निवासी गुरचरण सिंह ने कहा है कि कुछ दिन पूर्व वह अपने परिवार के साथ चण्डीगढ़ गया था। रात को जब वह वापस अपने घर आया तो मकान के मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। जब वह अंदर गया तो देखा कि अंदर का ताला टूटा हुआ था।

टोहाना में घर के बाहर से बाइक चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने टोहाना में घर के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। पुलिस को दी शिकात में रामनगर, टोहाना निवासी निशांत ने कहा है कि गत दिवस उसने अपने मोटरसइकिल को घर के बाहर खड़ा किया था और अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस घर से बाहर आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल चोरी हो गया था।

ऑडिशन के लिए 15 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

फतेहाबाद। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा भारत वर्ष के सुविख्यात गायक व गायिकाओं मोहम्मद रफी, किशोर कुमार, मन्ना डे, हेमंत कुमार, सुरेश वाडेकर, मुकेश कुमार, लता मंगेशकर, आशा भोंसले, हेम लता, साधना सरगम, उषा तिमुथी आदि द्वारा गाए गए गीतों का एक कार्यक्रम-सुरमयी शाम, मेरी आवाज मेरी पहचान 2024 से संबंधित ऑडिशन अगस्त मास में आयोजित करवाया जा रहा है।

गांजा सहित एक युवक को पुलिस ने पकड़ा

फतेहाबाद। नशा तस्करों की धरपकड़ करते हुए टोहाना पुलिस ने एक युवक को गांजा सहित गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार सीआईए टोहाना पुलिस की टीम एसआई जग्गा सिंह के नेतृत्व में नशा तस्करों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब बस स्टैण्ड टोहाना से अम्बेडकर चौक की तरफ जा रही तो शिवम काम्पलैक्स मोड़ के पास एक युवक खड़ा दिखाई दिया।

मिशन एडमिशन : 10 जुलाई को जारी होगी दूसरी मैरिट लिस्ट

पहली कट ऑफ लिस्ट जारी, आज फीस जमा करवाने का अंतिम दिन

सीटें कम होने से कई विद्यार्थी एडमिशन से रह सकते हैं वंचित, एमएम कॉलेज की कॉमर्स की कट ऑफ 84.2 फीसदी पर गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

स्नातक कोर्सों में दाखिले के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने पहली कट ऑफ लिस्ट जारी कर दी है। कट ऑफ लिस्ट में आए विद्यार्थियों को विभाग ने एसएमएस द्वारा सूचित कर दिया है।

जिन विद्यार्थियों का नाम इस कट ऑफ लिस्ट में है, वे विद्यार्थी सम्बंधित कॉलेज में अपनी फीस जमा करवा सकते हैं जिसकी आज अंतिम डेट है।

इसके बाद विभाग द्वारा 10 जुलाई को दूसरी मैरिट लिस्ट जारी की जाएगी, जिसके आधार पर विद्यार्थी कॉलेज में एडमिशन ले सकेंगे। फतेहाबाद के एमएम कॉलेज की कॉमर्स की कट ऑफ 84.2 फीसदी पर गई है जबकि महिला महाविद्यालय भोडियाखेड़ा की बीएससी की हरियाणा ओपन कैटेगरी की कट ऑफ 70 फीसदी पर लगी है। इसके अलावा राजकीय महाविद्यालय भूना की बीए की हरियाणा ओपन की कट ऑफ लिस्ट 86.6 प्रतिशत रही है। ऐसे में इन कॉलेजों में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। सीटों से अधिक आवेदन मिलने पर कई विद्यार्थी यहां एडमिशन से भी वंचित रह सकते हैं। फतेहाबाद के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थान मनोहर मैमोरियल पीजी कॉलेज में कॉमर्स की ऑल इंडिया कैटेगरी की कट ऑफ 92 फीसदी, हरियाणा ओपन 84.2 फीसदी, एससी 64.2, बीसीए 71.8 तथा बीसीबी 68.8 फीसदी रही। बीसीए ऑल इंडिया 79, हरियाणा ओपन 78.6, एससी 65.8, बीसीए 63.6 तथा बीसीबी 71.6 फीसदी रही। बीए की ऑल इंडिया 76 फीसदी, हरियाणा ओपन 70 फीसदी, एससी 46.8, डीएससी 51.2, बीसीए 46.6 तथा बीसीबी की कट ऑफ 59.6 फीसदी। फिजिकल साइंस की

फतेहाबाद। मनोहर मेमोरियल कॉलेज। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते हैं कॉलेज प्राचार्य

एमएम कॉलेज फतेहाबाद के प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास का कहना है कि पहली कट ऑफ के एडमिशन 8 जुलाई तक होंगे इसलिए विद्यार्थी बिना कोई देरी किए तुरंत संबंधित कॉलेज में फीस जमा करवाएं, फीस जमा करवाने पर ही एडमिशन पक्का माना जाएगा।

ये रही कॉलेजों की कट ऑफ

लाइफ साइंस की ऑल इंडिया 81.2 व हरियाणा ओपन 56.4 फीसदी। बीबीए की ऑल इंडिया 80, हरियाणा ओपन 67.2, एससी 64.2, बीसीए 59.2 फीसदी। बीए विद पंजाब की ऑल इंडिया 77.4 व हरियाणा ओपन 59 फीसदी रही। सीएमके राजकीय महिला महाविद्यालय भोडियाखेड़ा में भी एडमिशन के लिए छात्राओं को प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। गर्ल्ज कॉलेज में कॉमर्स की ऑल इंडिया कट ऑफ 75 फीसदी, हरियाणा ओपन 59.8 फीसदी रही। बीसीए ऑल इंडिया 75.8, हरियाणा ओपन 68 फीसदी। बीएससी लाइफ साइंस ऑल इंडिया 79.4, हरियाणा ओपन 70 फीसदी, एससी 64 तथा बीसीए 59.2 फीसदी रही। बीएससी फिजिकल साइंस ऑल इंडिया 64.6 फीसदी। बीए की ऑल इंडिया 84.6 फीसदी, हरियाणा ओपन 63.4 फीसदी, एससी 62, डीएससी 56 तथा बीसीए 52 फीसदी रही। भूना के राजकीय महाविद्यालय में बीए की ऑल इंडिया कैटेगरी की कट ऑफ लिस्ट 95 फीसदी, हरियाणा ओपन की 86.6 फीसदी, एससी की 77.6, डीएससी की 61 फीसदी, बीसीए 64.4, ईडब्ल्यूएस 70.8 तथा बीसीबी की कट ऑफ 79.2 रही। बीएससी की ऑल इंडिया 80.6, हरियाणा ओपन 67.4 फीसदी रही।

सिरसा। गांव में पौधरोपण अभियान चलाते सेवानिवृत्त फौजी सुखबीर सिंह।

तरकांवाली के सेवानिवृत्त फौजी ने गांव को बनाया हरा भरा

- करीब तीन महीने पहले चलाई थी मुहिम
- सामाजिक कार्यों को देखते हुए गांव वालों ने किया सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चोपटा

गांव तरकांवाली के सेवानिवृत्त फौजी ने पर्यावरण को सुंदर आकर्षित और हरा भरा बनाने के लिए करीब 3 महीने पहले एक मुहिम चलाई। उसका असर यह हुआ कि अब सुखबीर फौजी के साथ पूरा तरकांवाली गांव धीरे-धीरे उनके इस सामाजिक कार्यों को देखते हुए कंधे से कंधा मिलकर के उनका भरपूर सहयोग करने लगा। इसी कड़ी में वन महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ और गांव को सुंदर बनाओ मुहिम में गांव के छोटे छोटे बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, गांव के बुद्धिजीवी लोगों ने भाग लिया और गाँव के पार्क, शिवपुरी, बस स्टैंड, गांव के मुख्य मार्ग के दोनों तरफ हरे-भरे पेड़ पौधे लगाए। आपको बता दें कि एयर फोर्स से रिटायर्ड होकर आए सुखवीर फौजी पिछले 3 महीने से लगातार गांव को सुंदर और आकर्षित बनाने के लिए सुबह सुबह जल्दी उठकर के आकर गांव के सार्वजनिक जगह पर सामाजिक कार्यों को करते थे। अब सुखबीर फौजी के साथ पूरा तरकांवाली गांव धीरे-धीरे उनके इस सामाजिक कार्यों को देखते हुए कंधे से कंधा मिलकर के उनका भरपूर सहयोग कर रहा है। सुखवीर फौजी की यह मुहिम लगातार जारी है। सुखबीर फौजी को जब कोई सड़क के मार्ग से गुजरता हुआ देखता है तो बस यही कह रहा है। बहुत उच्च कोटि की सोच है। अब हर कोई सुखवीर फौजी के कार्यों की सराहना और उनको सैल्यूट करता हुआ दिखाई दे रहा है।

चौटाला में पेट्रोल पंप पर लूट की वारदात

- हथियारों के बल पर हजारों की नगदी लूटी
- तीनों युवकों ने हथियार निकाल कर दी धमकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

गांव चौटाला में अज्ञात लुटेरे हथियारों के बल पर एक पेट्रोल पंप से हजारों की नगदी छीन कर फरार हो गए। श्री श्याम पेट्रो सर्विस नामक इस पेट्रोल पंप पर कार सवार चार लुटेरों ने रविवार अल सुबह करीब 2:30 बजे दस्तक दी और चंद मिनटों में पूरी वारदात को अंजाम देकर लुटेरे राजस्थान की ओर फरार हो गए। पेट्रोल पंप के मालिक ओमप्रकाश गोयल के मुताबिक रात को पेट्रोल पंप पर दो करिंदे काम कर रहे थे। रविवार अल सुबह करीब 2.30 बजे कार सवार चार युवक पेट्रोल पंप पर पहुंचे। पंप पर इनमें से 3 लोग कार्यालय में आ गए जबकि एक व्यक्ति कार में बैठा रहा। सभी युवकों ने अपने मुंह ढके हुए थे। कार्यालय में आते ही तीनों युवकों ने हथियार निकाल लिए और वहां मौजूद कर्मचारियों को धमकी देकर कार्यालय में रखी करीब 47000 की नगदी उठा ली। इसके अलावा एक कर्मचारी के गले की चांदी की चेन व मोबाइल भी इन लोगों ने छीन लिया। इसके बाद इन लुटेरों ने अपनी कार में 3000 का डीजल डलवाया और कर्मचारियों को धमकी देते हुए कार राजस्थान की ओर भगाकर ले गए। पेट्रोल पंप में हुई इस लूट की वारदात के बाद वहां के कर्मचारियों ने पंप मालिक को इसकी सूचना दी। ओमप्रकाश के मुताबिक उन्होंने तुरंत सदर पुलिस को सूचित किया।

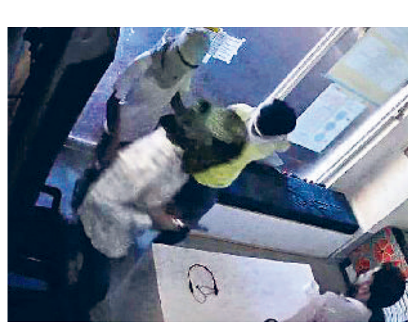

सिरसा। सीसीटीवी कैमरे में कैद वारदात को अंजाम देते अज्ञात लुटेरे।

बढ़ती वारदातों से लोगों में भारी रोष

चौटाला क्षेत्र में नशे के बढ़ते प्रकोप व लूटपाट की बढ़ती वारदातों से इलाके के लोगों में भारी रोष है। कुछ दिन पूर्व लोगों ने चौटाला चौकी के बाहर प्रदर्शन भी किया था। लेकिन इसके बावजूद न तो नशा रूक रहा है और न ही लूटपाट की वारदातें। लोगों में पुलिस के प्रति भारी नाराजगी है। इलाके के लोगों ने अब इसे लेकर आंदोलन करने की घोषणा की है। किसान नेता राकेश फोगड़िया के मुताबिक सोमवार को शाम 4 बजे चौटाला के पंचायत घर में इस मुद्दे पर इलाके के लोगों की बैठक होगी। बैठक में निर्णय लेकर आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

नशे का होगा पूर्ण सफाया: एसपी

- युवाओं को नशे के खिलाफ किया जागरूक, दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रानियां

जिला पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने कहा कि जिला पुलिस नशे के खिलाफ अपने स्तर पर लगातार अभियान चलाए हुए हैं, परंतु इस अभियान की संपूर्ण सफलता के लिए जन सहयोग भी अति आवश्यक है। एसपी रविवार को गांव बणी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थिजनों को संबोधित कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में और तेजी लाई जाएगी तथा नशे के सौदागरों की खोज खबर लेकर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जब समाज का प्रत्येक नागरिक अपनी गली, मोहल्ले तथा गांव की पूरी जिम्मेदारी लेगा तभी हम इस अभियान में पूरी तरह से कामयाब होंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को नशे के खिलाफ प्रण लेना होगा। इस अवसर पर गांव बणी की सरपंच नैना झोरड़, पूर्व सरपंच राम सिंह सहारण, बाहिया के सरपंच रूपेश, उमीद क्लब के प्रधान विकास झोरड़ सहित काफी संख्या में ग्रामीण तथा युवा मौजूद रहे।

सिरसा। एसपी विक्रांत भूषण ग्रामीणों व युवाओं को संबोधित करते।

डोडा पोस्त सहित एक युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशा तस्करी के आरोप में पुलिस ने रतिया से एक युवक को कचरा डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना शहर रतिया पुलिस की टीम एएसआई भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में नशीले पदाथार्ं की तस्करी रोकने को लेकर गश्त पर थी। टीम जब टोहाना बाईपास रतिया से टोहाना की तरफ जा रही थी तो रास्ते में एक युवक पैदल आते दिखाई दिया। उक्त युवक पुलिस की गाड़ी देखकर घबरा गया और वापस मुड़कर तेज कदमों से चलने लगा। शक के आधार पर पुलिस कर्मचारियों ने युवक को काबू कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम सुभाष चंद्र बताया।

चौपाल में बनाया जाएगा बच्चों की शिक्षा का बेस

- जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए नि:शुल्क पढ़ाई एवं कोचिंग केंद्र खोले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

मानव सेवा वेलफेयर सोसाइटी भूना ने जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क पढ़ाई एवं कोचिंग देने का सराहनीय कदम उठाया है। सोसाइटी ने रविवार से गुरु रविदास धर्मशाला वार्ड नंबर 5 व वार्ड नंबर 9 में गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करवाने का काम शुरू किया गया। मानव सेवा वेलफेयर सोसाइटी भूना के प्रधान सुखविंदर बैंस ने बताया कि गरीब परिवारों के बच्चों का सरकारी स्कूल में पढ़ाई का बेस मजबूत नहीं हो रहा, इसलिए बच्चों के भविष्य को देखते हुए समिति में स्कूल के अतिरिक्त वार्ड की चौपाल में सामूहिक रूप से बच्चों को किताबें पढ़ाई जाएगी और उन्हें प्राइवेट स्कूलों के बच्चों की तरह बेस मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में वार्ड नंबर 5 में उच्च शिक्षित अध्यापक व अध्यापिकाएं बच्चों को पढ़ाई करवा रहे है, इसलिए लोगों को अपने सभी छोटे बच्चों को समय अनुसार भेजने का काम करें। बच्चों की पढ़ाई पर जो भी खर्चा आएगा वह मानव सेवा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा किया जाएगा। प्रधान ने बनाया कि अभी फिलहाल यहां पर नर्सरी से लेकर पांचवी तक के बच्चों को शिक्षा दी जाएगी, जिसके कुछ दिनों बाद आगे की कक्षाओं के विद्यार्थियों को मौका दिया जाएगा। कक्षा छठी से दसवीं के विद्यार्थियों को ट्यूशन फ्री पढ़ाया जाएगा। यह गुरु रविदास धर्मशाला व बाबा राणाधीर मंदिर के नजदीक वार्ड नंबर 9 व वार्ड नंबर 5 में पढ़ाई केंद्र खोल दिए गए हैं। सोसाइटी के प्रधान सुखविंदर सिंह बैंस ने बताया कि मानव सेवा वेलफेयर सोसाइटी गरीब लोगों की मदद में लंबे समय से प्रयासरत है। सोसाइटी ने गरीब लोगों को सर्दियों के दिनों में गर्म कंबल व चप्पल- जूते इत्यादि का वितरण किया जा चुका है।

भूना। मानव सेवा वेलफेयर सोसाइटी जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क पढ़ाई करवाती एक अध्यापिका।

लोगों ने किया सहायतार्थ शिविर में रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

थैलेसीमिया सोसायटी ऑफ सिरसा व इंडियन डैंटल एसोसिएशन सिरसा शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को थैलेसीमिया पीड़ितों के सहायतार्थ एक रक्तदान शिविर शिव शक्ति ब्लड बैंक में आयोजित किया गया। सोयायटी के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अरोड़ा ने बताया कि सोसायटी के चेयरमैन डॉ. वेद बैनीवाल ने सोसायटी सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर डॉ. वेद बैनीवाल ने कहा कि एक यूनिट रक्त देने से रक्तदाता के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ता, लेकिन थैलेसीमिया रोग से पीड़ित बच्चे, गर्भवती महिलाएं और सड़क दुर्घटना में घायल गंभीर लोगों के घरवालों के चेहरे पर मुस्कान अवश्य लाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के बाद से ब्लड बैंकों में भी खून की अल्पता बनी हुई है। ऐसे में बच्चों के माता-पिता से लेकर गर्भवती महिलाओं व सड़क हादसों में घायल हुए लोगों के लिए खून की व्यवस्था करना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है।

रक्तदान शिविर के लिए ब्लड की हुई स्क्रीनिंग

रतिया। भाविप रतिया द्वारा संचालित फिजियोथेरेपी सेंटर एवं दिव्यांग सहायता केंद्र में परिषद् के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में लगाए जाने वाले रक्तदान कैंप के लिए ब्लड की स्क्रीनिंग की गई। इसके लिए रक्तदान की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों के ब्लड के सैंपल एकत्रित किए गए। 70 से अधिक व्यक्ति स्क्रीनिंग के लिए पहुंचे। न सभी के ब्लड के सैंपल एकत्रित करके सिविल हॉस्पिटल रतिया में भेज दिए गए हैं। इनमें से जिस व्यक्ति के ब्लड की रिपोर्ट सही आती है वो व्यक्ति 10 जुलाई को भाविप द्वारा संचालित फिजियोथेरेपी एवं दिव्यांग सहायता केंद्र में होने वाले रक्तदान शिविर में अपना रक्त दान कर सकता है।

दक्षिण कश्मीर में विशेष ऑपरेशन चलाकर आतंकवादी समूह को चटाई थी धूल

डिंग मंडी के भीम सिंह को मिला शौर्य चक्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डिंग

डिंग मंडी निवासी भारतीय सेना के जवान नायक भीम सिंह को शुक्रवार को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से राष्ट्रपति भवन में शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया है। भीम सिंह को शौर्य चक्र मिलना जिले व प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्हें यह सम्मान उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना साहसिक बहादुरी, वीरतापूर्ण साहस और शौर्य का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए दिया गया है। शौर्य चक्र लेने वाले नायक भीम सिंह संभवतः जिले के दूसरे जवान है। पहला शौर्य चक्र रोड़ी क्षेत्र के एक जवान को मिला हुआ है। मार्च 2011 में भारतीय सेना में शामिल हुए नायक भीम सिंह दि राजपूताना राइफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राइफल्स के जवान है। वह दो भाई है और उनका बड़ा भाई गांव में ही खेती बाड़ी करता है। उनके परिवार में उनके पिता देवीलाल, माता रेशमा देवी, पत्नी मोनिका है। नायक भीम सिंह के दो लड़कियां है। उनका पूरा परिवार किसानी से जुड़ा हुआ है। भीम सिंह दहिया को शौर्य चक्र मिलने से परिवार सहित गांव में खुशी का माहौल है, मगर शुक्रवार शाम को ही भीम सिंह की सास की मृत्यु होने से परिवार में खुशियां कुछ कम हो गई है।

सिरसा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शौर्य चक्र से सम्मानित होते भीम सिंह।

इस तरीके से दिया ऑपरेशन को अंजाम

दि राजपूताना राइफल्स,9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राइफल्स के नायक भीम सिंह ने बताया कि 26 दिसंबर 2022 को दक्षिण कश्मीर के एक गांव में आतंकवादी समूह की मौजूदगी के बारे में उन्हें खुफिया जानकारी मिली। जिसके पश्चात कॉम्बैट टीम कमांडर के रूप में उन्होंने आतंकवादियों की प्रारंभिक घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के तहत जब गांव से नागरिकों को बाहर निकाला जा रहा था तो आतंकवादियों ने नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी करनी और ग्रेनेड फेंकने शुरू कर दिए। जिसमें एक अधिकारी घायल हो गया। इस दौरान भीम सिंह ने सटीक गोलीबारी से आतंकवादी को मार गिराया और घायल अधिकारी को सुरक्षित वहां से बाहर निकाला। इसी बीच नायक भीम सिंह अपनी टीम के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए छिपे हुए आतंकवादियों की ओर रेंगते रहे और एक जोखिम भरे स्थान पर चले गए। उन्होंने बताया कि इसी दौरान शाम को करीब 7 बजकर 10 मिनट पर आतंकवादियों ने फिर से ग्रेनेड फेंक कर दो और नागरिकों को घायल कर भागने का प्रयास किया। इस क्षणिक प्रतिक्रिया में नायक भीम सिंह ने अपने स्थान से हटकर आंतकवादी को पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया और उसे बहुत करीब जाकर मार गिराया। इसलिए 15 अगस्त 2022 को नायक भीम सिंह का शौर्य चक्र के लिए चयन हुआ। शौर्य चक्र पाकर उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।

फ्रीडा खामोश रहने लगी थी

1954 आते-आते फ्रीडा खामोश रहने लगी। उसके फेफड़ों की नलियां खराब हो चुकी थीं। एक दिन सुबह के छह बजे जब नर्स उसके कमरे में आई तो उसने देखा फ्रीडा की आंखें खुली हुई हैं। मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर वापस कभी नहीं आऊंगी। 14 जुलाई को छह सौ से अधिक लोगों ने उसे अंतिम विदाई दी। उसे ऑटोमैटिक कॉर्ट पर रखा गया। अवन के दरवाजे खुले और फ्रीडा की मृत देह आग की तरफ गई। उसके बाल जलने लगे, लेकिन लोगों ने देखा उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिल गया था जिस पर मुस्कुराहट थी।

जयंती विशेष | गीता यादव

उजालों में छुपी लड़की फलक का रंग-रोशन कर गई.....

फ्रीडा का समूचा जीवन एक फंतासी की मानिंद रहा। अपने छोटे से जीवनकाल में उसने नाउम्मीदी, उदासी, तन्हाई और बेवफाई जैसे कई बदरंग मंजर देखे। लेकिन बावजूद इसके उसने आशा और उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ा। अंतिम सांस तक वह हंसती-खिलखिलाती रही और ज़िंदादिली के साथ दुनिया को अलविदा कहा।

छह जुलाई, 1907। मैक्सिको का उपनगर कोयोअकैन। बारिश की बूंदों से नहाई एक सुबह। फ्रीडा काहलो बारिश की बूंदों पर नन्हे-नन्हे पैर धरते हुए इस दुनिया में आईं थीं। बारिश की वे बूंदें, जैसे दुख बनकर उसके जीवन में सदा के लिए ठहर गईं। जो आंसुओं की शक्ल में उनकी आंखों से यदा-कदा बाहर आती रहीं। मिसेज मटिल्डा काल्डेरोन और मिस्टर गिलर्मो काहलो की तीसरी बेटी माग्दालेना कारमेन फ्रियदा (फ्रीडा) की पैदाइश के बाद से ही मां की सेहत गिरने लगी। नर्स की छाती से लगकर फ्रीडा ने मातृ सुख का अनुभव किया। फ्रीडा के जन्म के तीन साल बाद मैक्सिकन क्रांति की शुरुआत हुई, जिसका असर जल्द ही पूरे मैक्सिको में नजर आने लगा। गोरिल्ला आर्मी का आतंक बढ़ गया था। इसी आतंक के साए में फ्रीडा स्कूल जाने लगी। मैक्सिको सिटी के जर्मन प्राथमिक स्कूल में वह अपनी बहन के साथ जाती। बड़ी शरारती थी वह, लेकिन पढ़ाई में अव्वल। छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई। उसका दायां पैर पतला हो गया। अपने पैरों को छुपाने के लिए उसने ऊंची एड़ी के जूते और लंबी रंगीन स्कर्ट पहननी शुरू कर दी। बच्चे उसे टूटी टांग वाली फ्रीडा कहकर उसका मजाक उड़ाते। धीरे-धीरे वह एकांतप्रिय होने लगी। घर में पाले गए जानवर उसके दिल के बेहद करीब होते गए। फिजूल की बातों से उसका ध्यान हटाने के लिए पिता ने उसे उसे चित्र बनाना सिखाया। समय बीतता रहा। फ्रीडा डॉक्टर बनना चाहती थी, इसलिए उसका दाखिला नेशनल प्रोप्रेटरी स्कूल में कराया गया। यह मैक्सिको का नामी-गिरामी स्कूल था। वहां उसकी मुलाकात एलेजेंड्रों गोमेज से हुई। जल्दी ही उनकी दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। 17 सितम्बर, 1925 को गोमेज के साथ घर लौटते समय उसकी बस एक ट्रॉली से टकरा गई। एक लोहे का सरिया उसके शरीर के अंदरूनी हिस्से को भेदता हुआ बाहर निकल गया। डॉक्टरों ने आशंका जताई की शायद वह मातृत्व सुख से वंचित रह जाएगी। कुछ समय अस्पताल में रहने के बाद वह घर वापस आ गई। पूरा जिस्म प्लास्टर से ढका था। ऐसे में गोमेज ने भी उसका साथ छोड़ दिया। फ्रीडा टूट गई थी। एक दिन पिता ने उसे ज़िंदगी का सबसे यादगार तोहफा दिया। कुछ ऑयल कलर्स, ब्रश और कैनवास देकर रंगों की दुनिया से उसका परिचय कराया। मां ने बढ़ई बुलाकर उसके पलंग को कुछ ऐसे तैयार कराया, ताकि वह लेटे-लेटे भी पेंटिंग कर सके। साथ ही पलंग के बीचों-बीच एक आईना भी लगाया, जिसमें वह अपनी छवि देखकर खुद से प्रेरणा ले सके। यहीं से फ्रीडा का आत्मचित्र बनाने का सफर शुरू हुआ।

पोलियो की गिरफ्त में

छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई

मजाक

बच्चे फ्रीडा का खूब मजाक उड़ाते थे और अकेले में अपनी बेबसी पर वह रोती थी

अंतिम बार लिखा

मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर कभी नहीं आऊंगी

फ्रीडा की कविता

मेरा प्यार

मैं अपनी जिंदगी में तुम्हारी मौजूदगी कभी नहीं भूलूंगी
क्योंकि तुमने मुझे तब संभाला, जब मैं तबाह हो चुकी थी
तुमने मुझे फिर से संपूर्ण बनाया
नहीं तो, मैं इस छोटी-सी धरती पर इतनी शान-ओ-शौकत से
अपने आपको कहां खड़ा कर पाती
अब समय नहीं है और दूर कुछ भी नहीं है
सिर्फ सच्चाई है, जो हमेशा से थी
अब जो नजर आता है, वह है जड़ें
जो बिल्कुल साफ नजर आती हैं
वो जड़ें हैं उस पेड़ की,
जो अब बड़ा हो चुका है और फल देने लगा है
तुम्हारे फल खुशबू देते हैं,
तुम्हारे फल रंग देते हैं जो कि खुशी से उग रहे हैं
और वो खुशी है हवा की और खिलने की
तुम उस पेड़ से अपनी दया दृष्टि कभी मत हटाना
जिसके लिए तुम एक सूरज समान हो
वो पेड़, जिसने तुम्हारे बीज को संजोकर रखा है
और मेरे प्यार का नाम है दिएगो।

1926 में पहला आत्मचित्र बनाया

फ्रीडा के बनाए आत्मचित्र कला-जगत के श्रेष्ठतम आत्मचित्रों में से एक हैं। 1926 में उसने पहला आत्मचित्र बनाया। उसने अपने चित्रों में चमकीले रंगों और मैक्सिकन लोक कला को भी प्रमुखता से उभारा। उसके चित्रों में मिट्टी की तरह घुलकर भाव की बाढ़ के साथ एकात्म हो जाने की अद्भुत क्षमता थी। उस समय जब फ्रीडा के चारों ओर नाउम्मीदी, उदासी और तन्हाई पसरी हुई थी और खुशी-चहक की लौ धुंधलाती जा रही थी, तब रंगों ने उसे आसरा दिया। धीरे-धीरे वह स्वस्थ होने लगी। उसने नेशनल प्रोपेटरी स्कूल में चित्रकारी औरक्ले-मॉडलिंग कोर्स में दाखिला लिया। फोटोग्राफर टीना मोदोत्री के जरिये वह यंग कम्युनिस्ट लीग से जुड़ी। एक दिन पार्टी के दौरान उसकी मुलाकात विश्व के मशहूर म्यूरल कलाकार दिएगो रिवेरा से हुई। दिएगो ने उसे मैक्सिको की सबसे पुरानी और मशहूर कला पर काम करने के लिए प्रेरित किया। जल्द ही यह मुलाकात दोस्ती से प्यार और फिर शादी तक पहुंच गई। 21 अगस्त, 1929 को दोनों का विवाह हो गया। दिएगो के साथ वह कुर्नेवाका आ गई और वहां उसने कुछ चित्र बनाए। 1930 में साल की शुरुआत में वह दिएगो के साथ सैन फ्रांसिस्को गई। वहां फ्रीडा ने ' फ्रीडा एंड दिएगो रिवेरा डबल पोट्रेट बनाया। पहली बार लोगों ने उसकी इस पेंटिंग को सैन फ्रांसिस्को सोसायटी ऑफ वीमेन आर्ट की छठी वार्षिक प्रदर्शनी में देखा और काम की सराहना की। इस बीच कई बार उसका गर्भपात हुआ, जिससे वह टूट गई। उसने संतान न होने के दुख को अपने चित्रों में उतारा। इस बीच वह दिएगो के साथ फिलाडेल्फिया और डेट्रॉइट गई, लेकिन उसे मैक्सिको के अलावा कोई जगह रास न आई। दोनों के बीच झगड़े बढ़ने लगे। 1939 में दोनों तलाक लेकर अलग-अलग रहने लगे। एक बार फिर फ्रीडा को सैन फ्रांसिस्को गोल्डन गेट अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के ललित कला पैलेस में अपनी पेंटिंग समकालीन मैक्सिकन कला को दर्शाने का अवसर मिला। । उसके चित्रों में स्त्री के अस्तित्व और अंतर्मन की दुनिया उभर रही थी। इन चित्रों में उसकी एकाग्रता, गहराई और दर्द की अभिव्यक्ति चकित कर देने वाली थी।

और एक बार फिर वक्त बदला

वक्त बदला और एक बार फिर दिएगो ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। फ्रीडा और दिएगो 8 दिसम्बर, 1940 को फिर विवाह के बंधन में बंध गए। फ्रीडा की शोहरत दूर-दूर तक फैल चुकी थी। वह उन 25 बुद्धिजीवी कलाकारों में से एक थी, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय द्वारा मैक्सिकन संस्कृति की संगोष्ठी के लिए चुना गया था। 1940 में मैक्सिको सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अति चर्चित चित्र प्रदर्शनी के लिए मशहूर चित्रकारों के साथ उसके चित्रों को रखा गया।

पुरस्कारों, समितियों की सदस्यता व फेलोशिप की बाढ़ सी आ गई थी। बड़ी-बड़ी चित्र प्रदर्शनियों में उसके चित्रों की मांग होने लगी। उसे आर्ट्स एंड साइंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। 1950 को फ्रीडा की रीढ़ की हड्डी में तकलीफ के कारण लंबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। यहां वह दिएगो और बहन क्रिस्टीना के साथ खूब मस्ती करती। फिल्में देखती, चुटकुले सुनाती। कविताएं व डायरी लिखती। फ्रीडा के प्रशंसक लोला अल्वारेज ब्रावो ने उसके जीते जी एक बड़ी प्रदर्शनी लगाने का निश्चय किया। उस प्रदर्शनी को देखने सारा शहर उमड़ पड़ा था। फ्रीडा को एंबुलेंस में लाया गया।

यादों की रहगुज़र

- पूरे जीवन में फ्रीडा के तीस छोटे-बड़े ऑपरेशन हुए, लेकिन उसने जीने का हौसला कभी नहीं छोड़ा। फ्रीडा ने 200 पेंटिंग्स, ड्रॉइंग और स्कैच बनाए। इन में 143 पेंटिंग्स और 55 आत्मचित्र हैं।
- अस्पताल में डॉक्टरों की सख्त मनाही के बाद भी पेंटिंग बनाना जारी रखा। उसने रंगों की बजाय लिपस्टिक और आयोडीन का सहारा लिया।
- फ्रीडा ने पशु-पक्षियों के मूक संसार को अपने अपने कैनवास पर बड़ी ही खूबसूरती से जीवंत किया।
- फ्रीडा ने दोस्त से उपहार में मिली लाल डायरी को अपने सुख-दुख का साथी बनाया। इस डायरी पर जे.के. लिखा था।
- फ्रीडा के मृत शरीर को अवन में रखा गया तो उसके बाल जल रहे थे, लेकिन उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिला हुआ था।

रागनी | डॉ. शील कुमार 'गंगा पुत्र'

पर्यावरण प्रदूषण

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल ।।

छोट्टे-बड्डे सब शहरां मैं,कारखान्यां की लाग्यी लैन।
इनमें माणस पैसण लाग रे,फेर भी मन मैं कोन्या चैन ।
पशु-पक्षी भी मरते गैल,बैच्छगे सारै जाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

स्याही तै भी काल्आ धुमा,छोड़ैं सैं ये मोटर कार।
शोर-शराबा खूब करैं सैं,कारखाने और मोटर कार ।
जंगल कटगे ना बसाती पार, जीणा होया बेहाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

वायु मंडल होया प्रदूषित, जल भी कोन्या साफ रह्या।
खाण पीण की सब चीजआं मैं,देखो कितना जहर होया।
धरती मां पर बोझ होया, इब्ब करणा होगा ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

इन्ह शहरां तैं दूर ले चालो, मैं गाम देखणा चाहूं सूं ।
नदी,जलाशय और झरण्यां की, जलधार देखना चाहूं सूं ।
मैं शील नै समझाऊं सूं ,पर्यावरण का करल्यो ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल।।

रागनी | सत्यवीर नाहड़िया

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी,
हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै,ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आ[illegible] फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी छंद म्हं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बातचीत | प्रोसेसिंग तकनीकी से ताजा फल विपणन, सूखाकर खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप जैसे घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देंगे चचेरे किसान भाई

ऑर्गेनिक फ्रूट ककड़ी व मतीरी से लाखों का मुनाफा कमाया

लागत

कम लागत में प्राकृतिक फूट की खेती से मालामाल

बचाव

कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाते हैं

उत्पाद

ककड़ी के गूदे से कैच-अप, जैम कर सकते हैं तैयार

किसान | दलबीर सिंह भूना

जांडलीखुर्द गांव के दो किसानों ने मिलकर तीन साल पहले पांच एकड़ रेतीली बैरानी खेत में ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती शुरू की थी, जिन्होंने कम लागत में प्राकृतिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की हजारों क्विंटल फसल बेचकर मालामाल हो गए हैं। वजीर सिंह पूनिया व नवीन पूनिया ने बताया कि चार वर्ष पहले पानी के अभाव में परंपरागत खेती पर्याप्त नहीं हो पाती थी। अब ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती से प्रति एकड़ 70 हजार से लेकर एक लाख के बीच में बचत हो रही है। क्योंकि बिजाई के बाद खर्चा नहीं है और ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती।

ऐसे करते हैं रोगों का बचाव

किसान वजीर सिंह पूनिया ने बताया कि फूट ककड़ी को जंगली छिपकली, गिलहरी व पक्षियों तथा नील गायों से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में ज़रूरी है कि बुआई के बाद और फल आने के समय फसल की रखवाली करें। पौधों में लाल व ऐपीलेकना भंग, सफेद व फल मक्खी और रस चूसने वाले कीटों के प्रकोप की आशंका बनी रहती है। इनसे बचाव के लिए खेत से ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती शुरू की थी। फसल को कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाकर उसका उपयोग में लिया और बाद में गोमूत्र में पानी मिलाकर उसका छिड़काव से किया। नीम पत्ती चूर्ण को 10 किलोग्राम राख के मिश्रण को टाट की थैली में भरकर सुबह के समय पौधों पर भुरकाव करें। इस खेती में खाद के रूप में गोबर की सड़ी हुई खाद और फसल के सड़े हुए अवशेष डालकर काम लिया गया। दोनों किसानों ने फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की ऑर्गेनिक खेती में शामिल कर लिया है।

कई उत्पाद हो सकते तैयार

वजीर सिंह ने बताया कि फूट ककड़ी के पके फलों को ज्यादा दिनों तक ताजा सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसलिए तुड़ाई के बाद लंबे समय तक उपयोग में लाने के लिए इनकी प्रोसेसिंग किसान कर सकते हैं। फूट ककड़ी के फलों के गूदे से कैच-अप, जैम एवं निर्जलीकरण (सुखाना) से खेलड़ा तथा बीजों से गिरी तैयार की जा सकती है। इस तरह से घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन से स्वरोजगार और लाभ प्राप्त किया जा सकता है। फूट ककड़ी उत्पादन और प्रोसेसिंग से ताजा फल विपणन, खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप से लाखों की आय प्राप्त की जा सकती है।

विशेषज्ञ की राय

फूट ककड़ी गर्म और शुष्क मौसम की फसल है, इसलिए रेतीले बैरानी जमीन का वातावरण इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। यह फसल 35-40 डिग्री तापमान में भी उग जाती है। बीजों के अंकुरण के लिए 20-22 डिग्री सेल्सियस और पौधों व फलों के विकास के लिए 32-38 डिग्री तापमान की ज़रूरत होती है। इसकी खेती के लिए रेतीली व बलुई-दोमट मिट्टी उपयुक्त हैं। 6 .5-8 .5 तक पी .एच . मान वाली कम उपचाऊ मिट्टी में भी फूट ककड़ी की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

-डॉक्टर श्रवण कुमार
जिला बागवानी अधिकारी, फतेहाबाद

देहात से कम होता जा रहा है देसी लोक पेयों का चलन

◆ स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी विलुप्ति की ओर ◆ बोतलबंद पेय पदार्थों ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचाया ◆ छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता

रहन सहन | डॉ दयानंद कादयान

आज भौतिकता और बाजारवाद में हरियाणा के देहात से प्राकृतिक खेती और सेहतमंद भोजन को कम किया है। आधुनिकता व रेडिमेड संस्कृति ने गांव देहात के देसी पेयों छाछ, दही, शिकंजी व राबड़ी से भी आम जनमानस को दूर कर दिया है। आधुनिक बोतलबंद पेय पदार्थों के हमले ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचा दिया है। देहात में सर्वसुलभ और स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी या सीत भी अब विलुप्ति की ओर जा रहा है। अब उनके स्थान पर कोका-कोला, ड्यू व कैंपा आदि ने ले लिया है, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। रेडिमेड पेयों ने सीत, रबड़ी सत्तू व शिकंजी को गौण स्थानों पर पंहुचा दिया है।

बेशक ये देसी पर पदार्थ गौण अवस्था में पहुंच गए हों। पुरातन काल से हरियाणा के गांव देहात में परंपरागत पेय पीने की रिवाज रही है। हमारे बड़े-बड़ेरे जानते थे कि गर्मियों में हमारे शरीर को ठंडाई की बड़ी जरूरत रहती है, क्योंकि ज्येष्ठ, आषाढ़ की गर्मी से निकलने वाले पसीने से मनुष्य का शारीरिक, मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। पसीने के माध्यम से शरीर से लवण और विटामिन निकलते रहते हैं। शरीर में जलापूर्ति के लिए अच्छे पेय पदार्थों की जरूरत पड़ती रहती है। पारंपरिक पेय शरीर में शारीरिक, मानसिक तृप्ति भी करते हैं। वहीं गर्मी के प्रकोप से होने वाले रोगों से हमारे शरीर को बचाए रखते हैं। हरियाणा प्रदेश के घर-घर में गाय भैंस आदि दुधारू पशु बहुतायत में पाए जाते थे। हमारे खेती-बाड़ी का आधार पशुपालन रहा है। इन दुधारू पशुओं के दूध से छाछ व दही आदि तैयार किए जाते थे। छाछ व दही के लिए कलेवारी सी दूध को कढावणी में डालकर हारे में गर्म होने के लिए रखा जाता था। शाम को दूध की मलाई में गाढ़ा कढ़ा दूध बिलौनी में डाला जाता था। इसके बाद शाम को दूध भी कढावणी में मिलाकर के उसमें जामन मिलाया जाता था। जामन में लैक्टोबैसिलस जीवाणु होते थे जो दूध को दही या छाछ में बदल देते है। ये सारी की सारी किण्वन क्रिया विज्ञान पर आधारित होती थी। तैयार दूध को घर की बूढ़ी बड़ेरी बड़े जतन से रई डालकर मुंह अंधेरे मथती या बिलौती थी। गांव देहात में सुरमय स्वर लहरी गूंज उठती थी। इसके साथ-साथ लोक लकड़ी भी गाई जाती थीः-*गजर-मजर दूध बिलोवै,*
गुजरी का बच्चा रोवै। रौवै सै तो रोवन दे,
मैंने दूध बिलोवण दे।

विलोए हुए दूध से घी निकाला जाता था,जिसे नूणी घी कहा जाता था। इसके अलावा बिलौनी में जो तरल पदार्थ शेष रह जाता, उसे छाछ या लस्सी या सीत कहा जाता था।ये लस्सी लूओ वाली गर्मी में ठंडक का आनंद देती थी। देहात में एक कहावत भी प्रचलित है कि काणी दादी शीतघालिये, लखण तो ईसा करै सै आक तेरै दूध घाल दूं।फिर भी छाछ हरियाणवी लोकोक्तियों,कहावतों, जकड़ियों में विशेष रूप से गाया जाता है। छाछ के फायदे अनगिनत है।छकछ हमारे देहाती भोजन का मूलाधार है।लस्सी या छाछ देहात में केवल पेय नहीं है, अपितु बहुत सारी सब्जियां चटनी, रायता,कढी व भुजी छाछ के दम पर बनती है। गांव में यह कहावत भी प्रचलित है कि₹ पतली सी छाछ, खाटे से भी जाए₹यानी खाटा की तरकारी व राबड़ी लस्सी से ही बनती है।इसके अलावा कोई भी छाछ से ही तैयार होती है।साथ में सभी अमीर गरीब का सांझा होता है। यह एक तरह का सांझला या समाजवादी पेय पदार्थ होता है, जो गांव में एक दूसरे को हर रोज बांटा जाता रहा है। हाली पाली मुंह अंधेरे ही अपने खेतों व जंगल को निकल चुके होते हैं।घर की महिलाएं छाछ रोटी लेकर खेतो में छकियारी बनकर पंहुचती हैं। छाछ राबड़ी और रोटी जंगल में मंगल कर देती हैं। देहात में यह ब्रेकफास्ट नही अपितु इसे काम छोड़ या कल्लेवारी का भोजन कहा जाता था।

देहात में छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता है क्योंकि शरीर में प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करके शरीर के स्वाभाविक विकास में सहायता देती है। यही कारण है की देहाती लोग छाछ को अमृत्तुल्य मान कर भोजन के साथ इसका इस्तेमाल करते हैं। छाछ निःशुल्क खट्टी मीठी औषधि का कार्य भी करती है। देहाती लोगों का मानना है कि छाछ के नियमित सेवन से राहचुंधा रोग नहीं होता। इसमें विटामिन ए की मात्रा पर्याप्त बताई जाती है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक होती है। छाछ शरीर में बनने वाले यूरिक एसिड का दमन करती है इससे कफ, वात पित्त रोगों का नाश होता है। आज रेडिमेड संस्कृति ने हमारे पुरातन लोकपेयों को पर्दे के पीछे धकेल दिया है तथा आधुनिक बोतल बंद शीतल प्रयोग की बाढ़ आ गई । इन बोतलबंद पेय पदार्थ से की जाती है ,जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हम आधुनिक पेयों को तो पसंद करते हैं लेकिन दही से बने पेयों की उपेक्षा कर रहे हैं। आओ हम अपने परंपरागत लोक पेयो सीत, रबड़ी, सत्तू व शिकंजी को दोबारा प्रचलन में लाएं ताकि हमारे सेहत ज्यों की त्यों बनी रहे।

छाछ-राबड़ी का चोली दामन का साथ

देहात में छाछ -राबड़ी का चोली दामन का साथ रहा है। वैसे भी इस प्रदेश के देहात में रावड़ी को केवल ग्रीष्म ऋतु का अमृत माना जाता है। देहात में मुख्तया जौ तथा बाजरे के आटे की राबड़ी बनाई जाती है,जिसे गर्मी का अमृत मान जाता है। राबड़ी का सेवन अक्सर प्रातः काल में ही किया जाता है। जौ से बनाई जाने वाले रबड़ी को देहात में ग्हार की रबड़ी का जाता है। जो बाजरे के आटे से बनी राबड़ी से अधिक शीतल और सुपाच्य होती है। प्रात राबड़ी के सेवन से वायु प्रकोप में कमी व संतुष्टि आ जाती है। अधिक अम्ल और पाच्य रसों को अवशोषित करती हुई, इसका आसानी से निष्कासन होता है।

खबर संक्षेप

माइनर टूटने से किसानों का नुकसान

डबवाली। बरसात की वजह से इलाके में कई जगह पर नुकसान हुआ है। कालुआना माइनर व शेरगढ़ के पास एक माईनर के टूटने की वजह से गंगा व शेरगढ़ क्षेत्र के कुछ किसानों का नुकसान हुआ है। गांव शेरगढ़ के किसान संदीप गोदारा के मुताबिक जल भराव के कारण करीब 50 एकड़ फसल को नुकसान हुआ है। उधर भारतमाला रोड से जल निकासी समुचित न होने की वजह से कई लोगों को नुकसान सहना पड़ा है।

बाइक सवार डोडापोस्त सहित काबू

डबवाली। एएनसी स्टाफ डबवाली ने गश्त के दौरान गांव जोतावाली से बाइक सवार युवक को 5 किलोग्राम डोडापोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान संदीप सिह पुत्र मंगल सिह वासी आकलिया जलाल थाना दयालपुरा जिला भठिण्डा (पंजाब) के रुप में हुई है। एएनसी के प्रभारी सुरेश कुमार ने बताया कि रणजोध सिंह अपनी पुलिस पार्टी के साथ गश्त के दौरान गांव जोतावाली से ढाबा रोड पर मौजूद थे।

तालाब में काफी संख्या में मरी मछलियां

सिरसा। जिला के गांव फग्गु में पंचायत घर के समीप बने तालाब में काफी संख्या में मछलियां मरी हुई है जिस कारण ग्रामीणों का नजदीक के घरों में रहना दुभर हो गया है। एक तरफ मरी हुई मछलियों से बीमारी फैलने की आंशका से इंकार नहीं किया जा सकता तो वहीं रही सही कसर तेज बरसात ने पूरी कर दी। बरसात के बाद तालाब का दूषित पानी साथ लगती गलियों में भर गया जिसके कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना भी दुश्वार हो गया है।

बंद पड़े मकान में लगाई सेंध

सिरसा। शहर के नोहरिया बाजार में चोर एक बंद मकान में घुसकर चोर 2 हजार रुपए की नकदी सहित तीन महंगी घड़ियां चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में विनित मित्तल ने बताया कि मेरे ताऊ देवेंद्र मित्तल अपने पूरे परिवार सहित दिल्ली ऑप्रेशन करवाने के लिए गए थे। बीती 6 जुलाई की शाम को वह घर के मुख्य गेट को ताले लगाकर घर आ गया। देर रात को चोरों ने मकान में घुसकर चोरों ने अलमारी के ताले तोड़कर 2 हजार रुपए की नकदी व 3 महंगी घड़ियां चोरी कर ली।

जलमग्न इलाके में पहुंचे मोहित शर्मा

सिरसा। युवा कांग्रेस नेता मोहित शर्मा रविवार को शहर में हुई बरसात से जलमग्न हुए इलाके में ट्रेक्टर पर सवार होकर पहुंचे और जलनिकासी के प्रशासनिक दावों को लेकर सवाल पूछे। मोहित शर्मा ने जलमग्न इलाके में ट्रैक्टर चलाकर सरकार व प्रशासन पर कटाक्ष किया।

ग्राहक बनकर आए युवकों ने दिया चोरी को अंजाम

सिरसा। कुर्सी खरीदने के लिए आए युवक ने सूरतगढ़िया चौक स्थित स्टेंडर्ड फर्नीचर पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है।

इस बार नई बहू तिजोरी की चाबी हथियाने के प्रयास में : आनंदवीर

टिकट के चाहवान प्रहलाद सिंह ने खोला चुनावी कार्यालय

भट्टू अनाज मण्डी में कार्यालय का उद्घाटन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद/भट्टूकलां

लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस में विधानसभा चुनावों में टिकट के चाहवानों की फौज खड़ी हुई तो हुड्डा व सैलजा गुट के नेता जनता के बीच एक्टिव हो गए। इसी कड़ी में हुड्डा गुट के बड़े नेता एवं पूर्व सीपीएस प्रहलाद सिंह गिलांखेड़ा ने विधानसभा चुनाव अभियान का आगाज भी कर दिया। रविवार को उन्होंने भट्टूकलां में चुनावी कार्यालय 'गिलांखेड़ा संवाद भवन' का पूजा अर्चना के साथ शुभारंभ कर विरोधियों को चित्त करने का प्रयास किया।

भट्टू अनाज मण्डी में कार्यालय का उद्घाटन करते हुए पूर्व मुख्य संसदीय सचिव प्रहलाद सिंह गिलांखेड़ा ने कहा कि किसी भी पार्टी के नेता स्वयं कभी बड़ा नहीं होता, उसकी पार्टी के कार्यकर्ता ही संगठन व नेता के लिए सर्वोपरि होते हैं। उन्होंने कहा कि आज कार्यकर्ताओं का जो हुजूम उमड़ा है, वह उनकी कड़ी मेहनत व कार्यकर्ताओं से हमेशा संपर्क रखना और कांग्रेस पार्टी में 45 साल से की गई वफादारी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी अपने स्वार्थ के लिए दल-बदल की राजनीति नहीं की बल्कि कांग्रेस पार्टी में रहकर ही लोगों की सेवा की है, इसलिए हाई कमान का उन पर पूरा विश्वास कायम है।

फतेहाबाद। भट्टूकलां में कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते आनंदवीर गिलांखेड़ा।

गिल्लांखेड़ा ने पत्रकारों से की बातचीत

प्रहलाद सिंह ने कहा कि पार्टी चाहे किसी को टिकट दें, वह संगठन को मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। आज खोले गए इस कार्यालय से जहां भट्टू क्षेत्र के लोग उनसे संवाद कर सकते हैं। इसी प्रकार का कार्यालय भूना में भी खोला जाएगा ताकि कार्यकर्ता किसी प्रकार की कठिनाई से न गुजरे और वह उनसे संपर्क में रहे। पूर्व सीपीएस ने कहा कि 12 जुलाई को फतेहाबाद में होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा पार्टी कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे और लोकसभा चुनाव में जीत की लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करेंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए युवा कांग्रेस नेता आनंदवीर गिल्लांखेड़ा ने कहा कि हमारा परिवार पार्टी के उत्थान के लिए हमेशा से ही प्रयासरत रहा है, जिसे हमेशा से ही पार्टी ने उन्हें मान सम्मान दिया है। इस बार विधानसभा चुनाव में पार्टी की टिकट के अनेक प्रत्याशी के सवाल पर आनंदवीर ने चुटकी लेते हुए कहा कि हमारे समाज में नई-नई बहू को तिजोरी की चाबी कोई नहीं सौंपता, इसके लिए विश्वास कायम करना पड़ता है। यही स्थिति फतेहाबाद विधानसभा में देखने को मिल रही है। कई नई बहू इस बार तिजोरी की चाबी हथियाने के प्रयास में है। पार्टी हाई कमान यह सभी बातें जानकर ही टिकट वितरित करेगी। पार्टी चाहे टिकट उनके पिता को दे या उन्हें दे, वे सदैव कार्यकर्ताओं की सेवा में जुटे रहेंगे।

सब्जी के बीजों की मिनी किट पर दिया जा रहा 50 प्रतिशत अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

हरियाणा सरकार द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा विकसित की गई सब्जी की किस्मों के बीजों की मिनी किट पर 50 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

इस खरीफ सीजन में हरियाणा बीज निगम (एचएसडीसी) बीज बिक्री केंद्रों पर किसानों को भिंडी व घीया के बीज की मिनी किट पर अनुदान का प्रावधान है। डीसी राहुल नरवाल ने बताया कि हरियाणा सरकार सभी वगार्ं के कल्याण व प्रोत्साहन के साथ-साथ बागवानी किसानों के लिए कृतसंकल्प है। भिंडी फसल की वर्षा उपहार किस्म जिसकी पैकिंग 1.5 किलोग्राम है और बिक्री दर प्रति मिनी किट 255 रुपये है, जिस पर 127.50 रुपये अनुदान राशि (50 प्रतिशत) प्रति मिनी किट का प्रावधान किया गया है।

प्रति मिनी किट पर किसानों को कितना हिस्सा मिला

किसान का हिस्सा 127.50 रुपये प्रति मिनी किट निर्धारित किया गया है। भिंडी फसल की हिसार उन्नत किस्म जिसकी पैकिंग 4 किलोग्राम है और बिक्री दर प्रति मिनी किट 680 रुपये है, जिस पर 340 रुपये अनुदान राशि (50 प्रतिशत) प्रति मिनी किट तथा किसान का हिस्सा 340 रुपये प्रति मिनी किट तथा भिंडी फसल की हाइब्रिड एचबीएच-142 किस्म जिसकी पैकिंग 750 किलोग्राम है और बिक्री दर प्रति मिनी किट 555 रुपये है, जिस पर 277.50 रुपये अनुदान राशि (50 प्रतिशत) प्रति मिनी किट व किसान का हिस्सा 277.50 रुपये प्रति मिनी किट निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार से घीया फसल की हाइब्रिड एचबीजीएच-35 किस्म जिसकी पैकिंग 400 किलोग्राम है और बिक्री दर प्रति मिनी किट 820 रुपये है, जिस पर 410 रुपये अनुदान राशि (50 प्रतिशत) प्रति मिनी किट व किसान का हिस्सा 410 रुपये प्रति मिनी किट निर्धारित किया गया है।

संस्था ने सिरसा जेल में रोपित किए 50 पौधे

सिरसा। पर्यावरण संरक्षण को समर्पित संस्था बलिहारी कुदरत द्वारा जिला जेल में अभियान चलाते हुए 50 पौधे रोपित किए और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया। संस्था के पदाधिकारी डॉ. चंद्र कंबोज, नवदीप कंबोज, अमन मुत्ती, नवप्रीत सिंह, देवेंद्र सिद्धू, सूरज थिंद, अवतार सिंह ने पौधे रोपित करते हुए पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया। उक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय की अहम जरूरत पौधारोपण है और इसकी पूर्ति की जिम्मेदारी हम सभी की है। मौजूदा दौर में जहां समाज पर्यावरण कटाव की तरफ बढ़ा, इन दिनों जो तापमान में वृद्धि हुई, तो सभी को पर्यावरण सरंक्षण समझ आ गया। अब इस समझ पर चलते हुए अधिक से अधिक पौधे रोपित करने होंगे। जिला जेल में 50 पौधे लगाए गए। जेल अधीक्षक ने संस्था के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे पर्यावरण सरंक्षण में अनूठा कदम बताया।

- पदाधिकारीयों ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया
- अधीक्षक ने की संस्था की प्रशंसा

नेत्र जांच शिविर में 125 से अधिक मरीजों की हुई जांच

सिरसा। शहर के जनता भवन रोड पर नवस्थापित बाबा बिहारी नेत्रालय का शुभारंभ देश प्रदेश से आए अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर के साथ किया गया। कैंप में वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक डॉ. नीरु गिजवानी और उनकी सहयोगी टीम ने 125 से अधिक मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श, दवाइयां, चश्में आदि पूरी तरह निःशुल्क दिए। चश्मे बनाने का काम विक्रांत गुप्ता और उनकी टीम ने किया। सचिव चंद्र शेखर ने बताया कि आज का कैंप बंसल परिवार द्वारा स्व. हीरालाल बंसल व गोदावरी देवी बंसल की पावन स्मृति को समर्पित किया गया। इस अवसर पर कैलाश सिंघांची, नौरंग राय, हनुमान प्रसाद, डीएन बंसल, अंकुर बंसल, गुरमुख कोचर, सुनील चचाण, विकास गर्ग, जीएस मान, कृष्णा फोगाट, जसबीर सिंह जस्सा, आनंद गोयल, आनंद बियानी, विक्रांत गुप्ता, गुलशन गाबा, रिंकू बजाज, प्रबंधक रंजीव कुमार, टीके लोहिया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

- मरीजों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाइयां दी गई

गुरविंद्र सिंह व संजीव जैन हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

पद्मश्री अवार्डी स. गुरविंद्र सिंह केलनियां रविवार को नंदीशाला में पहुंचे और गौवंश के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नंदीशाला के प्रधान पवन बंसल ने कमेटी पदाधिकारियों के साथ स. गुरविंद्र सिंह का फूलमालाओं से स्वागत किया। प्रधान पवन बंसल ने गुरविंद्र सिंह को नंदीशाला में गौवंश के लिए की गई व्यवस्थाओं का मुआयना करवाया। उल्लेखनीय है कि इस समय गोवंश के साथ-साथ नंदीशाला में अनेक प्रकार की पक्षियों की प्रजातियों का भी पालन-पोषण किया जा रहा है। स. गुरविंद्र सिंह नंदीशाला प्रबंधन कमेटी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नंदीशाला की बदौलत ही शहरवासियों को आवारा पशुओं से काफी हद तक निजात मिली है। उन्होंने आमजन से भी आह्वान किया कि वे अपने सामर्थ्य अनुसार नंदीशाला में समय-समय पर किसी भी रूप में सहयोग करें, ताकि नंदीशाला के संचालन में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। नंदीशाला कमेटी की ओर से स. गुरविंद्र सिंह के साथ-साथ नव नियुक्त जिला बार आयकर एसोसिएशन के प्रधान संजीव जैन को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

सिरसा। पद्मश्री गुरविंद्र सिंह व संजीव जैन एडवोकेट को सम्मानित करते हुए नंदीशाला कमेटी।

खाली सीट पर हुड्डा अपने परिवार से उतारें उम्मीदवार: दिग्विजय

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के रा'यसभा के प्रस्ताव को एक जुमला बताया है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि दीपेंद्र हुड्डा द्वारा खाली की गई राज्यसभा सीट पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अपनी पत्नी आशा हुड्डा या फिर अपनी पुत्रवधु को चुनाव में उतारना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्यसभा की इस सीट पर तो भूपेंद्र हुड्डा अपने परिवार का हक समझते हैं और इसीलिए उन्होंने कुमारी सैलजा की सीट छीनकर दीपेंद्र को दिलवाई थी। उन्होंने खुद को उम्मीदवार बनाए जाने की पेशकश पर भूपेंद्र हुड्डा का धन्यवाद जताते हुए कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा को राजनीतिक चालबाजी करने की बजाए विपक्ष के नेता होने के नाते रा'यसभा चुनाव से पीठ दिखाकर भागना नहीं चाहिए। दिग्विजय ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि शैलजा की रा'यसभा सीट छीनकर दीपेंद्र को देने वाले हुड्डा उन पर इतनी मेहरबानी कैसे दिखा रहे हैं? उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा की सोच परिवारवाद से आगे नहीं है। दिग्विजय ने कहा कि जब भी अवसर मिलेगा, वे पार्टी के निर्देश पर जनता के समक्ष जाएंगे और जनता ही फैसला करेगी कि मुझे किस समय क्या जिम्मेदारी लेनी है।

भागवत कथा श्रवण से कट जाते हैं सभी पापः जोशी

सिरसा। श्री मां भगवती इच्छा पूर्ण मंदिर, शमशाबाद पट्टी सिरसा में श्री राधे बिहारी प्रेम मंडल के सान्निध्य में सुमनांजली जोशी ने श्रीदेवी भागवत कथा में कहा कि श्रीमद देवीभागवत कथा सुनने से पाप कट जाते हैं। जोशी ने कहा इसका श्रवण, अनुष्ठान करने पर मनुष्य सभी पुण्य कर्मों से अधिक फल पा लेते हैं। इसलिए इसे नवाह यज्ञ भी कहा गया है जिसका उल्लेख देवी भागवत पुराण में स्वयं भगवान शंकर और सूतजी ने किया है। कहा गया है कि जो दूषित विचार वाले पापी, मूर्ख, मित्र द्रोही, वेद पर निंदा करने वाले, हिंसक और नास्तिक हैं, वे भी इस नवाह यज्ञ से भुक्ति और मुक्ति को प्राप्त कर लेते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद देवी भागवत कथा का श्रवण करने से अनेक लाभ होते हैं। श्रीमद्भागवत भागवत कथा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति के लिए यह सर्वोत्तम साधन है। देवी भागवत पुराण के अनुसार जो पुरुष देवी भागवत के एक श्लोक का भी भक्ति भाव से नित्य पाठ करता है, उस पर देवी प्रसन्न होती हैं। महामारी और भूत प्रेत बाधा मिट जाती है।

सिरसा। कथा वाचन करते हुए कथा वाचक सुमनांजली जोशी।

बरसाती पानी से झील में तब्दील हुआ शहर

- अधिकारियों व नेताओं के दावे खोखले निरीक्षण के नाम पर ढोंग का खेल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

रविवार अलसुबह हुई बरसात के कारण सिरसा शहर के अधिकांश निचले स्थान पूरी तरह से जलमग्न हो गए। शहर में करीब 65 एमएम बरसात हुई। स्थिति की गंभीरता को इसी बात से समझा जा सकता है कि बड़े वाहनों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति ने वहां से गुजरने का साहस तक नहीं किया। सड़कों पर चार-चार फुट तक पानी खड़ा हो गया। नगरपरिषद प्रशासन, जिला प्रशासन के आलाधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय नेताओं के वे दावे भी खोखले नजर आए जिसमें कभी कहा गया था कि सिरसा शहर को विकास के मामले में पैरिस बना दिया जाएगा।

सिरसा। बरसात के बाद लबालब हुई शहर की सड़कें।

नगर परिषद के 37 करोड़ पानी में बह गए

सिरसा शहर के दूसरी ओर नगर परिषद द्वारा करीब 37 करोड़ की राशि खर्च करके बरसाती पानी की निकासी के लिए पाईप लाइन बिछायी गई। लेकिन करोड़ों खर्च करने के बावजूद एक बूंद पानी की निकासी नहीं हो रही। डबवाली रोड पर रचना पैलेस से एयरफोर्स की ओर आना-जाना मुश्किल बना हुआ है। यहां पर दो-दो फुट पानी ठहरा हुआ है। रानियां रोड पर आईटीआई से रानियां चुंगी तक के एरिया में पानी भरा हुआ है। सुरखाब चौक से भगवान परशुराम चौक तक दरिया जैसे हालात है। जनता भवन रोड पर झील जैसा नजारा है। शहर में हुई थोड़ी सी बरसात के कारण जो इलाके पूरी तरह से

अमृत योजना के तहत करोड़ों की राशि भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी

अमृत योजना की महत्वकांक्षी योजना के माध्यम से आधे सिरसा शहर को बरसाती पानी की समस्या से निजात दिलाने के लिए खर्चे गई करोड़ों की राशि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। बरसाती पाईप लाइन बिछाने के कार्य में बरती गई कथित धांधली की वजह से पहली ही बारिश में पाईप लाइन जगह-जगह से उफनने लगी है। जिसकी वजह से लोगों को राहत मिलने की बजाए परेशानी बढ़ गई है। जिला प्रशासन द्वारा रेलवे लाइन की दूसरी दिशा में बरसाती पानी के ठहराव की समस्या के निदान के लिए अमृत योजना से हिसार रोड पर पाईप लाइन बिछाने का कार्य किया गया। योजना के तहत बाल भवन, बस स्टेंड एरिया में ठहरने वाले बरसाती पानी की निकासी के लिए करीब 10 करोड़ 57 लाख रुपये की लागत से करीब 8 किलोमीटर पाइप बिछायी गई। योजना के तहत हिसार रोड पर खैरपुर पुलिस चौकी के ठीक पीछे डिस्पोजल प्वाइंट बनाया गया।

ओढ़ा क्षेत्र में बरसात होने से फसलों को फायदा व जलभराव से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ओढां

क्षेत्र में हुई बरसात से जहां फसलों को लाभ पहुंचा है वहीं लोगों को भीष्ण गर्मी से राहत मिली है। दूसरी तरफ कई गांवों में जलभराव होने से लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया। किसान दर्शन सिंह, रुपिंदर कुंडर, मदन लाल, भूप सिंह ने बताया कि बरसात होने के कारण गर्मी से झुलस रही नरमा, धान व ग्वार की फसलों को संजीवनी मिली है और किसानों को काफी लाभ हुआ है। निचले इलाकों में बरसाती पानी की निकासी न होने के चलते जगह जगह जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है और लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। नैशनल हाईवे पर स्थित सामान्य बस स्टैंड के पास व सर्विस लाइन पर जलभराव के कारण यात्रियों को आने जाने में भारी परेशानी हो रही है। जलभराव होने से राहगीरों व वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नैशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा सरकार ने सडकों के निर्माण पर करोडों रूपये खर्च कर दिए परंतु बरसाती पानी की निकासी के लिए कोई उचित प्रबंध नहीं है।

सिरसा। बरसात के कारण नरमा की फसल में खड़ा पानी।

पानी निकासी न होने पर लोगों ने कहा विधायक का करेंगे कड़ा विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

शहर के फतेहाबाद रोड पर एसडीएम कार्यालय के नजदीक प्रेम नगर कॉलोनी में पिछले काफी समय से बरसाती पानी की निकासी की समस्या हल न होने पर अब कॉलोनी वासियों ने भा ज पा विधायक के कॉलोनी में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया। साथ ही कॉलोनी में आने पर उसका कड़ा विरोध करने का भी निर्णय लिया है। कॉलोनी वासी रवि रतिया व पंच हरीश, कुलदीप, महेन्द्र सिंह, रमेश, रवि, भीम, महेश आदि ने बताया कि उनकी कालोनी में पिछले काफी समय से गंदे पानी व बरसाती पानी की निकासी की समस्या बनी हुई है जिस कारण कॉलोनी में आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वह इस मुद्दे पर कई बार विधायक लक्ष्मण नापा व प्रशासन के अधिकारियों को समस्या के बारे में ज्ञापन भी दे चुके हैं लेकिन उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। इस कारण अब कॉलोनी वासियों ने निर्णय लिया है कि वह भाजपा विधायक के कॉलोनी में घुसने पर विरोध जताएंगे और उन्हें कॉलोनी में नहीं घुसने देंगे।अगर विधायक द्वारा कोई कॉलोनी में कार्यक्रम किया जाता है तो कालोनी वासियों द्वारा उसका विरोध भी किया जाएगा।

- कॉलोनी में आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

स्वामी नगर में नालियां बनी तालाब, तीन साल से लोग झेल रहे हैं बदतर हालात

चार दिन में निकासी न हुई तो करेंगे विधायक का घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

स्वामी नगर में तीन साल में जल निकासी के प्रबंध ना होने के कारण हालत बद से बदतर हो गए है। विधायक, जिला अधिकारियों और नगर परिषद चेयरमैन आदि तक के आगे समाधान की गुहार लगाई, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। तीन दिन से लगातार बरसात हुई तो स्वामी नगर के प्रभावित क्षेत्र लोगों के सब्र का बांध आखिरकार टूट गया। लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि अगले चार दिन में स्वामी नगर की गलियों से जल निकासी का ठोस प्रबंध नहीं हुआ तो विधायक प्रतिष्ठान के आगे पड़ाव डालेंगे। साथ ही चुनाव में विधायक, पूर्व विधायको और अन्य नेताओं के उनके क्षेत्र में आने पर प्रतिबंध लगाएंगे।

शहरी सीमा में आने के बाद से ही इन कॉलोनियों में जल निकासी, सफाई व्यवस्था जैसी समस्याएं विकराल रूप धारण किए हुए है। प्रभावित क्षेत्र निवासी साहब राम, बलवान, रिंकू, सतीश, रामकुमार, महिलाओं में संतोष देवी, शकुंतला, पूनम, पूजा आदि ने बताया कि पानी निकासी ना होने से नालियों की गंदगी गलियों में तलाब बनकर फैल गई है। उनका घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। बुजुर्गों बच्चों आदि का इस समस्या की वजह से हादसों का शिकार होने का भय रहता है। उन्होंने बताया की रविवार दोपहर सामाजिक कार्यकर्ता हरदीप सिंह को समाधान में सहयोग हेतु बुलाया गया। यहां एकमत होकर ही प्रशासन और नेताओ को चार दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता हरदीप सिंह ने कहा कि चुनाव में जनता को भगवान मानकर नेता बड़े बड़े वायदे करके सत्ता सुख पाते है, लेकिन चुनाव के बाद जब वही जनता इन नेताओ के पास समाधान के लिए जाती है तो सिवाय दुख और ठोकरों के इन्हें कुछ नहीं मिलता। अगले चार दिन में समाधान नहीं हुआ तो जनता ने इन नेताओं की दुख देने की पूरी तैयारी कर ली है।

फतेहाबाद। स्वामी नगर में पानी निकासी की मांग को लेकर प्रदर्शन करते लोग।

अगले मानसून तक होगा स्थाई समाधान : राजेंद्र सोनी

नगर परिषद ईओ राजेंद्र सोनी से जब हरदीप सिंह ने बात की तो उन्होंने कहा कि अस्थाई समाधान के पूरे प्रयास किए जा रहे है। लेकिन जहां तक स्थाई समाधान की बात है, वह अगले साल मानसून से पहले तक हो पाएगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास रहेगा स्वामी नगर, हरनाम कॉलोनी के प्रभावित क्षेत्र की समस्या का कोई अस्थाई समाधान अगले तीन चार दिन में करवा दिया जाए।

खबर संक्षेप

तलवाड़ा में धर्मशाला से लोहे की ग्रिल चोरी

फतेहाबाद। गांव तलवाडा की एससी चौपाल में बने धर्मशाला से दो युवक ग्रिले चोरी कर ले गए। इस बारे सरपंच प्रतिनिधि ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई है। जाखल पुलिस को दी शिकायत में गांव तलवाड़ा निवासी मनदीप सिंह ने कहा है कि वह सरपंच प्रतिनिधि है। गांव में एससी चौपाल में धर्मशाला बनी हुई है। सुबह जब वह धर्मशाला को चैक करने गया तो उसने देखा कि धर्मशाला में बने कमरों की खिड़ी से तीन लोहे की ग्रिलें गायब थी। इस पर जब उसने अपने स्तर पर चोरों बारे पूछताछ की तो उसे पता चला कि गांव के ही लखविन्द्र सिंह व कालू नामक दो युवकों ने धर्मशाला से ग्रिलों को चोरी किया है। इस पर उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जीजा पर लगाया पत्नी को भगाने का आरोप

फतेहाबाद। कुलां के एक युवक ने अपने जीजा पर उसकी पत्नी को शादी की नीयत से ले जाने और उसे धमकाने का आरोप लगाया है। इस बारे सदर टोहाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में कुलां निवासी सूरज ने कहा है कि उसकी बहन सुनीता की शादी हनुमान कालोनी हांसी निवासी संजय के साथ हुई थी। सुनीता की करीब एक साल पहले मृत्यु हो गई थी। इसके बाद संजय व उसकी पत्नी के अवैध सम्बंध हो गए, जिस कारण संजय उसे अंजान नंबरों से फोन कर धमकी देता रहता था। गत दिवस वह उसकी पत्नी को शादी करने की नीयत से अपने साथ ले गया है। उसके बाद जब उसने घर पर सामान की जांच की तो पाया कि उसकी पत्नी अपने साथ सोने के गहने व 25 हजार रुपये भी ले गई है।

मंदिर व गुरुद्वारा साहब का निर्माण शीघ्र

सिरसा। भगत शिरोमणि धन्ना जी जागृति मंच की बैठक रविवार को हिसार रोड स्थित मैरिज पैलेस में हुई जिसमें मंच के फाउंडर मेंबर्स द्वारा धन्ना जी के स्टीकर का विमोचन किया गया। मेंबर्स ने बताया कि सभी सदस्य अपनी गाड़ियों पर स्टीकर लगाएंगे व अन्य लोगों को भी स्टीकर बांटे जाएंगे। मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए भगत शिरोमणि धन्ना जी जागृति मंच के प्रधान अमरीक सिंह राही ने कहा कि भगत शिरोमणि धन्नाजी जागृति मंच अनेक गतिविधियां आयोजित कर रहा है।

बरसात से शहर के मुख्य बाजार जलमग्न हो गए

मानसून की चौथी बरसात, फतेहाबाद में 58 तो भट्टू में 48 एमएम बरसा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। बरसाती पानी में डूबी फसल, जीटी रोड पर हुआ जलभराव।

मानसून के शुरूआत में ही फतेहाबाद में बरसात की झड़ी लगी है। लगातार चौथे दिन रविवार अलसुबह फतेहाबाद में बादल खूब बरसे। रविवार को फतेहाबाद में 58 एमएम और भट्टू में 48 एमएम बरसात रिकार्ड की गई। बरसात से शहर के मुख्य बाजार जलमग्न हो गए और निचली कालोनियों में पानी भर गया। भट्टूकलां में भारी बरसात से नरमे की फसल डूब गई। सेमग्रस्त क्षेत्र में पानी खड़ा हो गया। मौसम विभाग ने सोमवार से 11 जुलाई तक बरसात में कमी आने की संभावना जताई है। शनिवार देर रात करीब 1 बजे बारिश शुरू हुई जोकि सुबह 3 बजे तक लगातार चलती रही। 4 बजे कुछ देर बूंदाबांदी हुई तो साढ़े 4 बजे फिर बारिश ने जोर पकड़ा और 6 बजे तक पूरा शहर जलमग्न हो गया। 6 बजे के बाद 9 बजे तक हलकी बारिश होती रही। बारिश से खेतों में जीरी लगा रहे किसानों के चेहरों पर चमक देखी गई। दरअसल बीते कई सालों में किसानों को जीरी के लिए पर्याप्त बारिश नहीं मिल रही थी। इस बार बिजाई शुरू होते ही धान उत्पादक किसानों को पानी पर्याप्त मात्रा में मिल गया। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि धान में जब तक पानी खड़ा न हो, धान की फसल नहीं पक सकती। रविवार सुबह बाजारों में पानी खड़ा था। निचली कालोनियां पानी में डूबी नजर आई। भट्टूकलां में भारी बरसात से नरमे की फसल में पानी भर गया जबकि गांव गदली, ढाबी, रामसरा, पीलीमंदौरी आदि में सेमग्रस्त क्षेत्रों में पानी खड़ा हो गया। बता दें कि यह समस्या भट्टूकलां में पिछले कई सालों से चली आ रही है। 11 जुलाई तक बारिश पर लग सकता है ब्रेक, 12 से फिर बरसेगा पानी मौसम विभाग ने 12 जुलाई तक प्रदेश में मौसम परिवर्तनशील रहने की संभावना जताई है। प्रदेश में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की सक्रियता आज तक बने रहने की संभावना है, जिससे राज्य के कुछ क्षेत्रों में हलकी-मध्यम बारिश की उम्मीद है। 9 जुलाई से 11 जुलाई तक मानसूनी हवाओं की सक्रियता में कमी आने के चलते प्रदेश में बारिश की गतिविधियां कम होगी। पश्चिमी व दक्षिणी जिलों के बीच आंशिक बादल तथा छुटपुट बूंदाबांदी की संभावना है। इस दौरान हवा में बदलाव से दिन के तापमान में हलकी बढ़ोतरी व वातावरण में नमी की मात्रा में कमी आ सकती है। 12 जुलाई से मानसून की सक्रियता एक बार फिर बढ़ेगी।

खेती के लिए फायदेमंद

पहाड़ी क्षेत्रों में बरसात के बाद घग्घर में पानी आना शुरू हो गया है, जिससे किसानों के चेहरे खिल गए है। घग्घर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि घग्घर में बहकर आने वाला पानी जमीनों और फसलों के लिए बेहद फायदेमंद रहता है, क्योंकि इसमें आने वाली नई मिट्टी से जमीन में नई जान आ जाती है। अब बरसात का पानी आने से पंजाब की फैक्ट्रियों से चांदपुरा साइफन से घग्घर में आ रहा दूषित जहरीला काला पानी आगे निकल गया है। यदि नियंत्रित तरीके से घग्घर में यह पानी बहता रहे तो धान उत्पादक किसानों के लिए पूरे सीजन पानी की कमी दूर हो जाएगी, क्योंकि किसान घग्घर से पानी खींचकर लगातार खेतों में सिंचाई करते हैं। घग्घर के चांदपुरा क्षेत्र में 600 क्यूसेक पानी बह रहा है, जबकि गेज लेवल 0.6 है। घग्घर का सहायक रंगोई नाला अभी सूखा है। जब घग्घर में कुछ हद तक पानी पहुंचेगा तो अतिरिक्त पानी रंगोई नाले में आना शुरू होगा। सरहिंद चोय ड्रेन में 1197 क्यूसेक पानी बह रहा है जबकि गेज लेवल 3.8 है। बरेटा ड्रेन में 50 क्यूसिक पानी पहुंचा है, जबकि टोडरपुर ड्रेन सूखी पड़ी है।

पिछले साल घग्घर ने मचाई थी जिले में तबाही

बता दें कि पिछले साल जुलाई माह में घग्घर ने बर्बादी का तांडव मचाया था। इन्हीं दिनों में पहाड़ों में हुई भारी बरसात का पानी घग्घर के तटवर्ती इलाकों तबाही मचाता हुआ फतेहाबाद में आना शुरू हुआ था। 10 जुलाई 2023 के बाद जिले में जाखल, टोहाना क्षेत्रों से बाढ़ ने इंट्री ली और हफ्तेभर में रतिया, फतेहाबाद तक को अपनी चपेट में ले लिया था और महीने से ज्यादा समय तक पूरा क्षेत्र बाढ़ की चपेट में रहा था।

निकासी के लिए आज धरना देंगे किसान

रतिया। शहर में बरसाती पानी निकासी की समस्या को हल करवाने के लिए जहां पर सत्ता पक्ष और विपक्षी पार्टी के नेता मौन दिखाई दे रहे हैं वहीं पगड़ी संभाल जट्टा किसान संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने पानी निकासी की योजना बनवाने के लिए सोमवार से नगर पालिका कार्यालय में धरना देने की योजना बनाई है। किसान संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष मनदीप सिंह ने बताया कि रतिया शहर में पिछले कई सालों से बरसाती पानी की निकासी के लिए नगर पालिका द्वारा कोई कार्य योजना नहीं बनाई जा रही अपितु बरसाती पानी निकासी के नाम पर लाखों रुपए के फर्जी बिल बनाए जा रहे हैं। इसको देखते हुए अब सोमवार से पगड़ी संभाल जट्टा के कार्यकर्ता नगर पालिका कार्यालय में धरना देंगे और पानी बरसाती पानी निकासी के लिए अधिकारियों से जवाब तलबी करेंगे।

सुशील कुमार बागड़ी बने प्रचार सचिव

सिरसा। हरियाणा स्टेट पेंशनर समाज जिला सिरसा इकाई के अध्यक्ष राजेंद्र मोहन गुप्ता ने प्रमुख नियुक्तियां करने के बाद अपने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए सुशील कुमार बागड़ी को प्रचार सचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर सभी पेंशनर्स समाज के सहयोगियों को बधाई दी है। पेंशनर समाज के जिला महासचिव अजीत सिंह रंगा ने बताया कि कार्यकारिणी के प्रमुख पदों पर नियुक्तियां की गई थी और कुछ पदाधिकारियों की नियुक्ति बाकी हैं। ये नियुक्तियां भी शीघ्र कर दी जाएंगी। वहीं अपनी नियुक्ति पर सुशील कुमार बागड़ी ने कार्यकारिणी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

बाइक व स्कूटी की भिड़ंत में एक की जान गई, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

टोहाना में मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच आमने-सामने हुई टक्कर में घायल हुए स्कूटी सवार ने हिसार के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस को दी शिकायत में मॉडल टाऊन टोहाना निवासी लक्ष्य अरोड़ा ने कहा है कि रात को वह खाना खाने के बाद अपने घर से अपने चाचा दीपक अरोड़ा के साथ घूमने के लिए रेलवे स्टेशन की तरफ जा रहा था जबकि उसका भाई सौम्य अरोड़ा एक्टिवा पर सवार होकर घर से बाजार की तरफ जा रहा था। रास्ते में एक मोटरसाइकिल के चालक ने अपने मोटरसाइकिल को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए उसके भाई की स्कूटी में सीधी टक्कर दे मारी। हादसे में स्कूटी सवार सौम्य सड़क पर जा गिरा और उसके सिर में गंभीर चोटें आई। इस पर वे मौके पर पहुंचे तो मोटरसाइकिल चालक ने अपना नाम प्रवीन निवासी अकांवाली बताया। उसके भी मुंह पर चोटें आई थी। इस पर सौम्य अरोड़ा व बाईक चालक प्रवीन दोनों को उपचार के लिए टोहाना के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। सौमय की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। परिजन उसे उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में ले गए थे।

जनता के बीच पहुंचे डीएसपी, बोले सोमवार शाम तक पुलिस की गिरफ्त में होंगे आरोपी

- जाखल में बढ़ रहीं चोरी की घटनाओं से परेशान व्यापारियों ने दुकानें बंद रखकर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जाखल

जाखल शहर में इन दिनों चोर चोर का शोर है। लोगों की गाढ़ी कमाई कब चोर उड़ा ले जाए, इसका कुछ पता नहीं है। पुलिस की नाकामी के चलते हालात ये हो चलें हैं कि शहरवासियों को यदि अपने घर, दुकान या वाहन सुरक्षित रखते हैं तो उन्हें स्वयं चौकस रहना होगा। पुलिस के भरोसे सुरक्षित रहने की उम्मीद करना बेमानी हैं। शहर में लचर कानून व्यवस्था के कारण लोगों का चैन की नींद से सोना भी हराम हो गया हैं। आलम ये बन गया हैं कि चोर लोगों के कीमती सामान पर कभी भी हाथ साफ कर सकते हैं। दरअसल पिछले कुछ समय में शहर में एक के बाद एक कई चोरी की वारदातें सामने आती रही है। इससे शहर निवासी भयभीत हैं। चोरी की घटना को अंजाम देकर अपराधी आराम से भाग निकाल रहे हैं, जबकि इस क्रम में कभी उनका पुलिस से आमना सामना नहीं हुआ है। चोरी की घटना से पीड़ित लोगों द्वारा उम्मीद के साथ थाना बाबुओं से चोरों को पकड़ने के लिए गुहार भी लगाई गईं, लेकिन सभी घटनाओं में अभी तक पुलिस के हाथ खाली है। बीती शुक्रवार रात्रि चोरों ने एक बार फिर शहर में दो दुकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सामान व नकदी पर हाथ साफ किया।

वारदातों के विरोध में दुकानों के शटर डाउन

जाखल। बंद पड़ा शहर का बाजार, दुकानदारों के बीच पहुंचे टोहाना पुलिस उप अधीक्षक शमशेर सिंह।

आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमों का गठन

जब इस बारे में टोहाना पुलिस उप अधीक्षक शमशेर सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया की चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने चार टीम का गठन किया है, जगह जगह पर इसे लेकर छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को काबू कर सलाखों के पीछे भेजने का काम किया जाएगा। शहर में जगह जगह पर पुलिस ने नाकाबंदी की हुई है।

शहर में पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग

जाखल में पुलिस थाना शहर से काफी दूर कुलां रोड पर स्थित हैं। इससे भी अपराधियों के हौसले बुलंद है। इससे चोर निडर होकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में पिछले काफी समय से शहर के बीचोबीच पुलिस चौकी स्थापित करने की उठ रही मांग को भी व्यापारियों ने जोरों शोरों से उठाया। विदित है कि विगत दिनों जाखल पहुंची पुलिस कप्तान के सामने भी उठाया था।

जाखल। अग्रसेन चौक में बाजार बंद कर इकट्ठा हुए दुकानदार।

चोरों की धरपकड़ के लिए पुलिस की चार टीमें गठित

व्यापारी वर्ग के विरोध के बाद शहर में हुई चोरियों का सुराग लगाने के लिए प्रशासन की दो सीआईए टीमें फतेहाबाद व एक सीआईए टीम टोहाना और जाखल थाना पुलिस अलर्ट मोड में आ गई है। रविवार को ही पुलिस की इन टीमों द्वारा संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई अथवा आरोपियों की तलाश के उद्देश्य से शहर में मुख्य स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला जा रहा है।

थाना प्रभारी व एसपी के तबादले की मांग

जाखल में बढ़ रहे चोरियों के ग्राफ व चोरी के आरोपियों को पकड़ने में पुलिस की अक्षमता से भड़के शहर के लोगों ने आक्रोश जाहिर करते हुए जाखल के थाना प्रभारी के तबादले के साथ ही जिला पुलिस कप्तान के स्थानांतरण की भी मांग कर डाली हैं। इसे लेकर शहर निवासी नवजोत सिंह, दीपक खनेजा, विकास कामरा, जगबीर गोस्वामी, आदित्य बंसल आदि ने कहा कि शहर में बढ़ती चोरियों के लिए स्थानीय पुलिस व जिला पुलिस के अफसर जिम्मेदार है। उन्होंने सरकार से मांग की हैं कि थाना प्रभारी सहित एसपी का तबादला किया जाएं। इसके अलावा शहर के हर कौने व चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग की है।

व्यापार मंडल हरियाणा बंद की काल करेगा

फतेहाबाद। हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कॉन्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने हरियाणा में लगातार चोरियां, लूटपाट, हत्या, फायरिंग करके फिरौती व मंथली मांगने के विरोध में आज जाखल मंडी व शहर में व्यापारियों द्वारा पूरी तरह से हड़ताल रखी गई। गर्ग ने जाखल मंडी में लगातार आपराधिक घटनाएं व चोरियां होने पर गंभीर चिंता प्रकट की और कहा कि आज हरियाणा का व्यापारी अपनी जान माल की सुरक्षा के लिए पूरी तरह भयभीत है। अगर सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं की तो व्यापार मंडल आपराधिक घटनाओं के विरोध में हरियाणा बंद का अहावान करेगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि प्रदेश में लगातार 9-10 दिनों से हत्या हो रही है और अपराधियों द्वारा फिरौती व मंथली मांगी जा रही है। यहां तक की चोरियों की तो हर रोज सैंकड़ों वारदातें हो रही है। आज हरियाणा में अपराधियों के हौसले पूरी तरह से बुलंद है। अपराध को रोकने में सरकार सुस्त है और अपराधी चुस्त है। सरकार को व्यापारी व आम जनता की सुरक्षा के पुख्ता से पुख्ता प्रबंध करने चाहिए।

18 को डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन की बैठक में भाग लेते कर्मचारी।

हरियाणा राज्य चतुर्थ श्रेणी सरकारी कर्मचारी यूनियन सम्बंधित सर्व कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक आज विनोद भड़ोलांवाली की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कर्मचारी नेता एवं नगरपालिका कर्मचारी संघ के प्रधान रमेश तुषामड़ ने विशेष तौर पर भाग लिया। बैठक में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मांगों को लेकर चर्चा की गई और आगामी आंदोलन को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए विनोद भड़ोलांवाली ने कहा कि प्रदेश सरकार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही जिससे इन कर्मचारियों में काफी रोष है। उन्होंने बताया कि ऐसे में यूनियन ने निर्णय लिया है कि सर्व कर्मचारी संघ के आह्वान पर 18 जुलाई को उपायुक्त कार्यालय पर किए जाने वाले जिला स्तरीय प्रदर्शन में जिलेभर के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी बढ़चढ़ कर भाग लेंगे और अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे। प्रदर्शन के माध्यम से मांग की जाएगी कि पार्ट टाईम कर्मचारियों को पॉलिसी बनाकर पक्का किया जाए। हर महीने 7 तारीख से पहले कर्मचारियों को उनके वेतन का भुगतान किया जाए।

एक छात्र सहित तीन लोग लापता, केस

फतेहाबाद। जिले में अलग-अलग स्थानों से एक छात्र सहित तीन लोगों के लापता होने का समाचार है। पहले मामले में पुलिस को दी शिकायत में गांव चन्द्रावल निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसके भतीजे की 35 वर्षीय पत्नी गत दिवस रात को बिना बताए घर से चली गई है। वह घर से इलाज के लिए रखे डेढ़ तोले सोने के गहने भी अपने साथ ले गई है। उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है। दूसरे मामले में सदर फतेहाबाद पुलिस ने गांव झलनियां निवासी एक युवक की शिकायत पर उसकी 22 साल की पत्नी के लापता होने बारे केस दर्ज किया है।

बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

हसंगा के ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर की नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

भूना। बिजली कटौती के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण।

बिजली कटौती के विरोध में रविवार को हसंगा गांव के ग्रामीणों ने प्रदर्शन करते हुए बिजली निगम के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। बिजली आपूर्ति में सुधार नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दो दिन में बिजली कटौती की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो एसडीओ कार्यालय का घेराव किया जाएगा। हसंगा निवासी एवं पगड़ी संभाल जट्टा किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मंडा की अगुवाई में ग्रामीणों ने बिजली निगम के अधिकारियों के खिलाफ एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश मंडा, रघुवीर सिहाग, सत्यवान मुंड,गुरमेल सिंह, राजबीर सिंह, ओम प्रकाश सिहाग, निहाल सिंह, बृजलाल सिहाग, सरदार मंजीत सिंह, श्योकरण खलेरी व जगदीश चंद्र आदि ने बताया कि हसंगा गांव को जग-मग योजना के साथ जोड़ा गया था। बिजली अधिकारियों ने योजना के दौरान पुराने बिजली मीटर बदलकर नए लगा दिए और पोल से लोहे की तारों को बदलकर केवल में शिफ्ट कर दिया था। ग्रामीणों को जग-मग योजना में 24 घंटे बिजली देने का वादा किया गया था। गांव में किसी भी प्रकार का कोई बिजली बिल बकाया नहीं और ना ही कोई चोरी है, लेकिन बिजली निगम के अधिकारियों ने वादा खिलाफी करके बिजली सप्लाई में भारी कटौती कर दी है। गांव में अब करीब दस घंटे बिजली मिल रही है। ग्रामीणों ने कहा कि उनसे योजना में शामिल होने हजारों रुपये निगम ने नए मीटर व केवल के नाम पर बिजली बिल के साथ अतिरिक्त वसूले थे। ग्रामीणों चेतावनी देते हुए कहा कि अगर 2 दिन में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो एसडीओ भूना के कार्यालय का घेराव करेंगे।

ये बोले अधिकारी

इस संबंध में उप मंडल अधिकारी जोजो तनेजा ने बताया कि गर्मी के सीजन में मशीनों पर अत्यधिक बिजली खपत बढ़ जाती है। जिसके कारण बार-बार मशीन ने डाउन हो जाती है और बिजली के कट लग जाते है। उन्होंने बताया कि भूना में 6 जुलाई की दोपहर बाद तीन बजे से लेकर रात करीब 12 बजे तक कई एरिया में बिजली बाधित रही, इसलिए सिरसा से रातों-रात 20 एमवीए का ट्रांसफार्मर बदलने के लिए लाना पड़ा। जल्द ही क्षेत्र में सप्लाई की कटौती में सुधार किया जाएगा।

चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित दो युवक काबू

.सिरसा। सिरसा-ऐलनाबाद रोड पर गांव मंगाला के समीप लगाए गए नाके पर पुलिस टीम ने जांच के दौरान चोरी के बाइक सहित दो युवकों को काबू किया है। घटनानुसार पुलिस टीम ने गांव मंगाला के समीप वेयर हाऊस के आगे नाका लगाया हुआ था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक माधोसिंघाना की ओर जा रहे थे। पुलिस नाका देखकर दोनों बाइक मोड़कर भागने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान टीम सदस्यों ने दोनों को काबू कर बाइक के कागजात मांगे, जिस पर दोनों कोई कागजात पेश नहीं कर पाए। बाइक के आगे नंबर प्लेट थी, लेकिन पीछे नहीं थी। पूछताछ में युवकों ने बताया कि यह बाइक चोरी की है, जिस पर टीम सदस्यों ने दोनों युवकों को काबू कर लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान गांव अरनियांवाली निवासी मांगेराम व मुकेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530209, 9253681005